देशभक्ति गीत

(देशभक्ति पर 125 गेय गीत)

कविवर आचार्य डॉ. रामेश्वर प्रसाद गुप्त

Scanned with CamScanner

देशभक्ति गीत

(देशभक्ति पर 125 गेय गीत)

रचयिता—कविवर आचार्य डॉ. रामेश्वर प्रसाद गुप्त

एम.ए. (संस्कृत, हिन्दी) स्वर्णपदकप्राप्त, पी-एच.डी.

सेवा निवृत्त प्राध्यापक (संस्कृत)

म.प्र. शासन, उच्च शिक्षा विभाग

निवास-श्रीमती लक्ष्मीगुप्ता-भवन

सिविल लाइन्स, दतिया (म.प्र.) ४७५६६१

माघ शुक्ल पक्ष, (वसंत) पंचमी

बुधवार सं. २०७३ वि.

दिनाङ्क : १ फरवरी, सन् २०१७ ई.

Scanned with CamScanner

सर्वाधिकार सुरक्षित हैं, इस पुस्तक के इस संस्करण का कोई भी भाग किसी उद्देश्य से किसी भी रूप में प्रकाशक की अनुमति के बिना प्रकाशित नहीं किया जा सकता है।

प्रकाशक :

ईस्टर्न बुक लिंकर्स

H.O. : 5825, न्यू चन्द्रावल, जवाहर नगर, दिल्ली-110007

फोन : 23850287, 09811232913

Showroom : 4806/34, भरत राम रोड, दरियागंज, दिल्ली-110002

फोन : 23285413

e-mail : eblindology@gmail.com
eblinfo76@gmail.com

Website: www.eblindology.com

© लेखक

प्रथम संस्करण : 2017

मूल्य : ₹ 450.00

ISBN : 978-81-7854-329-1

देशभक्ति-गीत

रचयिता : **आचार्य डॉ. रामेश्वर प्रसाद गुप्त**

टाईप सैटिंग : अजय प्रिंटिंग वर्क्स, नई दिल्ली-110085

मुद्रक : आर. के. प्रिन्ट सर्वसज

Scanned with CamScanner

अनुक्रमणिका

1. मातृभू! तुमको कोटि प्रणाम 1
2. मातृभू! तुमको कोटि प्रणाम 3
3. मातृभू! तुमको कोटि प्रणाम 4
4. मातृभू! तुमको कोटि प्रणाम 6
5. मातृभू! तुमको कोटि प्रणाम 7
6. मातृभू! तुमको कोटि प्रणाम 8
7. मातृभू! तुमको कोटि प्रणाम 9
8. भारतमाता, तब वन्दन है 10
9. भारतमाता को वन्दन है 11
10. हे मातृभूमि! तव चरणों में हम शीष झुकाते हैं 12
11. है वन्दनीय भारतमाता 13
12. पूज्या यह भारतमाता है 14
13. भारतभू इस धरा धाम पर सबसे प्यारी है 15
14. 'भारतभूमि' प्यारी है 16
15. जय मातृभूमि जय जय भारत 17
16. जय मातृभूमि जय जय भारत 18
17. मातृभू भारतभूमि महान् 19
18. हमारी भारतभूमि महान् 20
19. जयभारत माँ, जयहिन्द कहो 22
20. मातृभू का कर लो शृंगार 23
21. मातृभू का कर लो शृंगार 24
22. करो भारत काँ का शृंगार 25
23. मातृभू का करिये सम्मान 27
24. मातृभू का करिये सम्मान 29
25. करो भारत माँ का सम्मान 31
26. 'मातृभू' भक्ति, पुण्य साकार 33
27. मातृभू भक्ति हृदय लो धार 35
28. मातृभू की भक्ति हो 36
29. मातृभू कहती बारम्बार 37
30. मातृभू कहती आज पुकार 38
31. भारत माता कहती, 'मेरे पुत्रो' 40
32. भारत माता कहती है, अब मेरे पुत्रो! 42
33. पुत्रो! जागो, यह मातृ भूमि 44
34. पुत्रो! जागो, यह भारतभू 46
35. मातृभू देती यह सुज्ञान 47
36. मातृभू सेवा में दो ध्यान 49
37. यह कीर्ति-कौमुदी भारत माँ 51
38. भारत माँ के लाल बनें हम 52
39. हम सब भारत माँ के लाल 53
40. मातृभूमि के बनें भक्त हम 54
41. मातृभू-हित जियो, मातृभू हित करो 55
42. भारतमाता श्रेष्ठ शरण है 56
43. भारतमाता के गुण गाओ 57
44. भारत भू यह स्वच्छ बनाओ 58
45. भारत की माटी यह बोली 59
46. आओ, भारतववासी आओ 60
47. विभामय भारतराष्ट्र ! प्रणाम 61
48. विभामय भारत देश महान् 62
49. 'भारत देश'! हृदय से वन्दन 63
50. हे भारत! तुमको वन्दन 64
51. हे भारत! तुमको वन्दन है 66
52. हमारा प्यारा भारतवर्ष 67
53. हमारा प्यारा भारतवर्ष 68
54. हमारा प्यारा भारतवर्ष 69
55. हमारा प्यारा भारतवर्ष 70
56. हमारा प्यारा भारतवर्ष 71
57. हमारा प्यारा भारतवर्ष 72
58. भारतवर्ष देश यह प्यारा 75
59. हमारा भारतवर्ष महान् 76
60. हमारा भारतवर्ष महान् 77
61. सुभग सुन्दर सुहावन है 78
62. भारत की पहचान सत्य, शिव 79
63. यह 'भारत देश' हमारा है 80
64. उन्नत भारतदेश बनाओ 81
65. भारतीय संस्कृति शोभन है 82
66. भारतीय संस्कृति अपनाओ 83

Scanned with CamScanner

67. आओ, यह देश बढ़ायें हम 84
68. भारत का है उज्ज्वल किरीट 85
69. यह 'भारत' अनुपम शोभित 86
70. भारत का अनुपम अतीत है 87
71. हमारा देश 'भारत' धरा पर अभिराम 88
72. है शान्तिदूत यह भारत वर 89
73. शक्ति, शौर्य सम्पन्न देश यह 90
74. करो सब भारत का सम्मान 91
75. भारत है हमारा 92
76. सब जन 'देश-भक्ति' दर्शाओ 93
77. शोभन राष्ट्रभक्ति अपनाओ 94
78. भारत अपना विमल बनाओ 96
79. आओ, भारत एक बनाओ 97
80. आओ, यह देश सजायें अब 98
81. हम सब भारतीय हैं 99
82. हम सब केवल भारतीय हैं 100
83. आओ, मिलकर करें देश के हित में 101
84. आओ, भारतवासी! आओ 102
85. हम जियें अपने मनहर वतन के लिये 103
86. राष्ट्रहित में शुभकर्म करो 104
87. सभी देश के लिये जियें 105
88. आओ, भारत-उत्थान करें 107
89. आओ, मिल करें राष्ट्र-उत्थान 108
90. आओ, मिल करो राष्ट्र-उत्थान 109
91. 'भारतराष्ट्र' महान् बनाओ 110
92. उन्नत अपना राष्ट्र बनाओ 111
93. उन्नत यह राष्ट बनायें हम 113
94. आओ, मिल करें राष्ट्र-कल्याण 114
95. करो भारत का नवनिर्माण 115
96. राष्ट्र-हित का ही धरिये ध्यान 116
97. बनाओ 'भारत' ललित ललाम 117
98. बनाओ भारत यह अभिराम 118
99. आओ, भारत ललित बनायें 119
100. सदा ही करो राष्ट्र-कल्याण 121
101. राष्ट्र-हित जीवन-जीना, सार 122
102. राष्ट्रभक्ति की, देशभक्ति की ज्योति जलाओ रे 123
103. राष्ट्रभक्ति में ध्यान लगाओ 125
104. हे प्रभो! राष्ट-हित में लगाओ हमें 126
105. प्रभो! हमको राष्ट्रसेवा की सुमतिशुभ दीजिये 127
106. साँस हर इक बने इस वतन के लिये 128
107. हम सब भारतीय हैं, केवल यही हमारा नारा हो 130
108. देशभक्ति ही श्रेष्ठ भक्ति है 132
109. राष्ट्रभक्त ही भक्त महान् 133
110. मन क्रम वचन एकता सह शुभ राष्ट्र प्रेम ही श्रेयस्कर 134
111. सबके हित में, सबके मत में राष्ट्रभक्ति ही श्रेयस्कर 135
112. हमारे राष्ट्र के कल्याण का आधार हिन्दी है 136
113. भारत की प्राण प्रिया हिन्दी भाषा है 137
114. अपना देश, राष्ट्रभाषा भी अपनी एक बनाओ रे 138
115. राष्ट्र-भाषा बने हिन्दी 139
116. भारतीय एकत्व बनाने देवनागरी सार 140
117. करो यह भारत स्वच्छ, सँभार 142
118. सबजन देशभक्ति चित लाओ 143
119. देश के प्रति भक्ति दीजे 144
120. राष्ट्रीय तिरंगा! अभिवन्दन 145
121. जय हो, जय हो, राष्ट्रीय तिरंगे! ध्वज तेरी 146
122. गणतन्त्र हमारा हुआ सफल 147
123. अपना गणतन्त्र स्वतन्त्र-सुमन 148
124. याद कर लो भारत के वीर 149
125. अजरामर यह रहे हमारा प्यारा भारतवर्ष 150

Scanned with CamScanner

आचार्य कविवर डॉ० रामेश्वर प्रसाद गुप्त
महामहिम राज्यपाल (म०प्र०) द्वारा सम्मानित

EASTERN BOOK LINKERS
(INDOLOGICAL PUBLISHERS & BOOKSELLERS)
HO.: 5825, New Chandrawal, Jawahar Nagar,
Delhi-110007 Ph.: 23850287, 09811232913
Showroom: 4806/24, Bharat Ram Road,
Ansari Road, Darya Ganj, Delhi-110002
Phone: 23285413
e-mail: eblindology@gmail.com
website: www.eblindology.com

ISBN: 978-81-7854-329-1

Scanned with CamScanner